Title: Re: High Air Fare and infrequent Air Service to Leh, Nubra and Kargil.

श्री जामयांग शेरिंग नामग्याल (लद्दाख): धन्यवाद सभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाने का मौका दिया । लद्दाख पार्लियामेंटरी कांस्टिट्यूएंसी, जिसमें पूरा लद्दाख है, वह एक बर्फीली जगह है । खासकर, इस सर्दी के मौसम में हमारे लेह-श्रीनगर और लेह-मनाली दोंनों हाइवेबर्फबारी के कारण बंद हो जाते हैं ।

केवल एयर ट्रांसपोर्ट ही ऐसा साधन है, जो कि लग्जरी नहीं, बल्कि नेसेसिटी और कंपल्शन हो जाता है । उसकी वजह से मेरे यहां के जितने भी पेशेंट्स हैं, पिलग्रिम्स हैं, वृद्ध लोग या स्टूडेंट्स हैं, उनको उसी जहाज से जाना पड़ता है । उसके अलावा वहां अन्य कोई सुविधा नहीं है । आजकल मौसम की खराबी के कारण या टेक्निकल फॉल्ट की वजह से या एयरपोर्ट छोटा होने के कारण या बेय पार्किंग नहीं मिलने के कारण, ऐसे अलग-अलग कारणों से डेली शेड्यूल फ्लाइट्स कैंसिल हो जाती हैं । जो अलग-अलग एयरलाइन्स हैं, वे एडिशनल फ्लाइट्स प्रोवाइड नहीं करती हैं ।

लद्दाख के हजारों लोग दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू और श्रीनगर में जाते हैं, ऐसे में गरीब लोग, खासकर बुजुर्ग और पेशेन्ट्स को बहुत तकलीफ सहनी पड़ती है । अलग-अलग एयरलाइन्स के ग्राउंड स्टॉफ्स की मिसहैंडलिंग के कारण उनको और भी तकलीफ होती है । वे न ही उनको एकोमोडेशन प्रोवाइड करते हैं और न ही एयरपोर्ट पर खाना-पानी आदि कुछ भी नहीं मिलता है । अगर मौसम के कारण फ्लाइट्स कैंसिल होती हैं, तो मैं समझ सकता हूं, लेकिन पैसेंजर्स को ठीक तरह से डील किया जाए । वहां जल्दी से जल्डी एडिशनल फ्लाइट्स प्रोवाइड कराई जाएं ।

महोदय, मेरी आपके माध्यम से यह भी मांग है कि जो इग्जिबिटिंग एयर फेयर है, कुछ एयरलाइन्स इसका दुरूपयोग करती हैं । वे इसका गलत फायदा उठाती हैं और टिकट्स के दाम तुरंत ऊंचे कर दिए जाते हैं । अभी आप ऑनलाइन चेक करेंगे, तो एयरलाइन्स वाले 40,000 रूपये, 50,000 रूपये, 60,000 रूपये और 80,000 रूपये तक की टिकट्स की बिक्री करते हैं, जिसकी वजह से उन पेशेंट्स को बहुत तकलीफ होती है, जिनको अपना इलाज कराने के लिए बाहर जाना पड़ता है । 20 तारीख को स्टूडेंट्स का बोर्ड का एग्जाम है, लेकिन वे अभी फंसे हुए हैं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार और कंसर्न अथॉरिटीज़ से यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि इग्जिबिटिंग एयर फेयर को कम किया जाए । नुब्रा और कारगिल के लिए जो आर्मी की एयर सर्विस चलती थी, उसको तुरंत रिवाइव करने की आवश्यकता है । वहां पर हमारे जितने भी पैसेंजर्स फंसे हुए हैं, उसमें टूरिस्ट्स हैं, उसमें आर्मी के वेटरेन्स हैं, पेशेंट्स, पिलग्रिम्स और वृद्ध लोग हैं, सरकार उनको तुरंत इवैक्यूट करने पर गौर फरमाए ।

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको संबद्ध करना चाहता हूं ।

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, आप स्लिप भिजवा दीजिए ।